Downloaded from www.studiestoday.com

पाठ-1

राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां

स्मरणीय बिन्दु-

- 14-15 अगस्त को मध्यरात्रि हिन्दुस्तान आजाद हुआ तथा भारत व पाकिस्तान के रूप में दो राष्ट्र आसितत्व में आये विभाजन से देश की एकता खण्डित हो गई।
- द्वि राष्ट्र के सिद्धान्त पर धार्मिक बहुसंख्या को विभाजन का आधार बनाया गया जिसमे मुख्य रूप से पंजाब व बंगाल प्रभावित हुए इसीलिये पाकिस्तान पश्चिमी व पूर्वी पाकिस्तान के रूप में आसितत्व में आया।
- 14-15 अगस्त की मध्यरात्रि को जवाहर लाल नेहरू का भाषण ट्रिस्ट विद डेस्टिनी के नाम से जाना जाता है।
- स्वतंत्रता के पश्चात दो बातों पर आम सहमति थी। देश का शासन लोकतांत्रिक तरीके से चलाया जायेगा। सरकार सबके भले के लिए कार्य करेगी।
- आजादी के बाद देश के समक्ष मुख्य तीन चुनौतियां थी।

  देश को एकता के सूत्र में बांधना

  लोकतंत्र की स्थापना

  सबका विकास
- विभाजन की रूप रेखा स्पष्ट न होने के कारण 14-15 अगस्त की मध्यरात्रि तक भी लोगों को यह पता नहीं था कि वह भारत में हैं या पाकिस्तान में।
- विभाजन की सबसे कठिन व भयानक समस्या अल्पसंख्यकों की थी। पाकिस्तान में हिंदू व सिखों की बड़ी तादाद थी जबकि भारत में मुसलमान अल्पसंख्यको की संख्या कुल आबादी का 12 प्रतिशत थी। शरणार्थियों का पुनर्वास भी सरकार के लिए एक समस्या थी।
- एक दूसरी विकट समस्या हिंसा व मारकाट की थी जो दोनों तरफ काबू से बाहर हो गई थी।
- लाखों शरणार्थियों के लिए देश की आजादी का मतलब था बेघर और बेठिकाना होकर महीनों और कभी कभी सालों तक किसी शरणार्थी शिविर में जिंदगी गुजारना था।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- विभाजन के दौरान लगभग 80 लाख लोगों को सीमा पार जाना पड़ा। 5 से 10 लाख लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। बच्चे मां-बाप से बिछुड़ गये हजारों महिलाओं को अगवा किया गया कुछ परिवारों ने कुल की मर्यादा के नाम पर खुद ही बहू बेटियों को मार डाला।
- 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की एक हिंदू अतिवादी नाथूराम गोडसे द्वारा हत्या के बाद विभाजन से जुड़े क्रोध व हिंसा जादुई तौर पर मंद पड़ गयी।
- आजादी के बाद भारत में रह गये एक अल्पसंख्यक मुस्लिम परिवार के समक्ष आई समस्याओं पर आधारित फिल्म 'गर्म हवा' सन् 1973 में बनी थी।
- स्वतंत्रता के समय भारत में देशी रियासतों की संख्या 565 थी जिन्हें ब्रिटिश सरकार उनकी स्वेच्छा पर छोड़ गई थी इन रियासतों का भारत में विलय एक महत्वपूर्ण कार्य था। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने श्री वी.पी. मेनन के साथ इस समस्या को बड़े ही सुनियोजित ढंग से सुलझाया।
- रजवाड़ों का भारतीय संघ ने विलय सहमति पत्र 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' पर हस्ताक्षर द्वारा होता था।
- हैदराबाद, काश्मीर, जूनागढ़ व मणिपुर का विलय अन्य रियासतों की तुलना में थोड़ा कठिन साबित हुआ।
- केन्द्रीय सरकार ने 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि राज्यों का निर्माण वहां बोली जाने वाली भाषाओं के आधार पर किया जाये।
- तेलुगु भाषी राज्य आंध्र प्रदेश के निर्माण के लिये पोट्टी श्री रामुलु ने आमरण अनशन किया जिसमें उनकी मृत्यु हो गई।
- 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित हुआ जिसके आधार पर 14 राज्य व 6 केन्द्र शासित प्रदेश बनाये गये।
- क्षेत्रीय संस्कृति व क्षेत्रीय असंतुलन के आधार पर तीन राज्य झारखण्ड, छत्तीसगढ़ व उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) सन् 2000 में बनाये गये हैं।
- आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, महाराष्ट्र में विदर्भ व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरित प्रदेश राज्य बनाने के लिये आंदोलन अब भी चल रहे हैं।
- भाषा की समस्या को हल करने के लिये त्रिभाषायी फार्मूले को अपनाया गया था।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. भारत का विभाजन किस आधार पर हुआ?
2. भारत के विभाजन में किन दो प्रांतों का भी बंटवारा हुआ?
3. ट्रिस्ट विद डेस्टिनी से क्या अभिप्राय है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

4. विभाजन के बाद शुरू हुई हिंसा का ताण्डव कब मंद पड़ा?
5. फिल्म 'गर्म हवा' किस समस्या पर केन्द्रित थी?
6. राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना कब हुई?
7. आजादी के समय देशी रियासतों की संख्या क्या थी?
8. रजवाड़ों के विलय में किसने मुख्य भूमिका निभाई?
9. 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेश्न' क्या था?
10. राजा हरि सिंह कौन थे?
11. 1972 में असम से अलग करके किस राज्य का निर्माण किय गया?
12. नाथूराम गोडसे ने गांधी जी की हत्या क्यों की?
13. भारत में शामिल बंगाल को पश्चिमी बंगाल क्यों कहा जाता है?
14. सीमांत गांधी किसे कहा जाता है?
15. राष्ट्र निर्माण से आप क्या समझते है?
16. अमृता प्रतिम कौन थी?

दो अंको वाले प्रश्न :-

1. जवाहरलाल नेहरू ने भारत को धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाने पर जोर क्यों दिया?
2. स्वतंत्रता के पश्चात किन दो बातों पर आम सहमति थी।
3. फैज अहमद फैज कौन थे? उनका पाकिस्तानी सरकार से टकराव क्यों बना रहा?
4. स्वतंत्र राज्य बनने से पहले गुजरात व हरियाणा किन मूल राज्यों के अंग थे?
5. हैदराबाद रियासत के भारत संघ में विलय में क्या समस्या आई?
6. भारत के मानचित्र में कोई दो देशी रियासतें दर्शाइये।
7. ब्रिटिश प्रभुत्व वाले भारतीय प्रांत व देशी रजवाड़ों में अंतर लिखिये।
8. यदि देशी रियासतों का भारत संघ में विलय न होता तो आज का भारत कैसा होता?
9. क्षेत्रीय असंतुलन को मुद्दा बनाकर आसितत्व में आये राज्यों के नाम बताइये?

चार अंक वाले प्रश्न :-

1. रजवाड़ों के विलय से संबंधित भारत सरकार का नजरिया स्पष्ट कीजिये।
2. आंध्र प्रदेश राज्य के निर्माण के लिये पोट्टी श्रीरामुलु द्वारा किये गये आंदोलन पर प्रकाश डालिये।
3. भारत के मानचित्र में चार ऐसे राज्य दर्शाइये जिनका गठन राज्य पुनर्गठन आयोग द्वारा हुआ?
4. मणिपुर व जूनागढ़ को भारत संघ में किस प्रकार शामिल किया गया?
5. 1947 में भारत विभाजन के क्या परिणाम सामने आये?
6. राज्य पुनर्गठन आयोग की मुख्य सिफारिशें लिखिये?
7. 'महात्मा गांधी की हत्या वास्तव में धर्म निरपेक्षता व सांस्कृतिक एकता पर हमला था।'' क्या आप इस बात से सहमत है?
8. भारत को बहुभाषायी राष्ट्र कहा जाता है किन्तु सभी राज्य भाषायी आधार पर गठित हो ऐसा नहीं है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

छः अंकों वाले प्रश्न :-

1. स्वतंत्रता के पश्चात देश के समझ तीन मुख्य चुनौतियां क्या थी? इन्हें किस प्रकार हल किया गया?

2. 1947 का साल अभूपूर्व हिंसा विस्थापन की त्रासदी का साल क्यों था? क्या जनसाधारण ने देश के विभाजन को सहज रूप से स्वीकार किया था? उत्तर के पक्ष व विपक्ष में उदाहरण भी प्रस्तुत कीजिये।

3. नीचे दिये गये दो विचारों में से आप किस विचार का समर्थन करेंगे तथा क्यों? भारत का बंटवारा जर्मनी की तरह खत्म क्यों नहीं किया जा सकता? समझाइये।

4. देश का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ था पाकिस्तान ने स्वयं इस्लामिक राष्ट्र घोषित किया क्या इस वजह से भारत अपने आप हिन्दू राष्ट्र बन गया। इस सम्बन्ध में अपने विचार प्रकट कीजिये।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

4. महात्मा गांधी की हत्या के बाद साम्प्रदायिक ताकतों की मश्के सरकार ने कस दी। जिससे साम्प्रदायिक उन्माद कम होने लगा।

5. भारत के तत्कालीन समाज के समक्ष आई समस्याएं जिसमें मुस्लिम अल्पसंख्यक परिवार केन्द्रीय बिन्दु थी।

12. साम्प्रदायिक उन्माद के कारण नाथूराम गोडसे ने गांधी जी की हत्या की।

15. साधारण शब्दों में जाति धर्म परिवार आदि के प्रति वफादारी के स्थान पर राष्ट्र के प्रति वफादारी होनी चाहिये।

16. पंजाबी भाषा की प्रमुख कवियत्री व कथाकार

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

3. फैज अहमद उई के महान कवि थे। वामपंथी रुझान के कारण उनका सदैव पाकिस्तानी सरकार से टकराव बना रहा जिसके चलते उनका लम्बा समय कारावास में गुजरा।

4. गुजरात बॉम्बे प्रांत
   हरियाणा पंजाब

6. मैसूर, जूनागढ़, काश्मीर आदि

9. झारखण्ड, छत्तीसगढ और उत्रांचल।

चार अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. रजवाड़ों को भारत संघ शामिल करने के लिए सरकार का रुख लचीला था। वह कुछ इलाकों को स्वायत्तता देने के लिये तैयार थी जैसा कि जम्मू कश्मीर में हुआ। सरकार का मानना था कि विभिन्नताओं को सम्मान देने और विभिन्न क्षेत्रों की मांगों को संतुष्ट करने के लिये यह जरूरी था। बंटवारे की त्रासदी के बाद देश की क्षेत्रीय अखण्डता-एकता का सवाल सबसे ज्यादा अहम हो गया था।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

5. भारत की स्वतंत्रता बंटवारे का दर्द साथ लेकर आई जिसने दोनों ओर के अल्पसंख्यकों को अपने ही वतन में परदेशी बना दिया इसके साथ ही हिंसा और मारकाट का बाजार भी गर्म हो गया जिसका निशाना विशेष रूप से बच्चे व महिलायें बनी। अपने घर परिवार गांव और देश से प्यार करने वालों के लिये बंटवारे का मतलब था 'दिल के दो टुकड़े हो जाना'। दोनों देशों के बीच वित्तीय संपदा के साथ टेबल कुर्सी टाइप टाइटर, सरकारी व रेलवे कर्मचारियों तक का बंटवारा हुआ।

8. राज्यों के पुर्नगठन की माँग अभी खत्म नहीं हुई है। सिर्फ भाषा ही नहीं बल्कि अलग अलग क्षेत्रीय संस्कृति व विकास को मुद्दा बनाकर अनेक क्षेत्रों से अलग राज्य की आवाजे उठ रही है जैसे आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, महाराष्ट्र में विदर्भ, व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरित प्रदेश आदि।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

2. 1947 में आजादी के साथ बंटवारे की त्रासदी भी जुड़ी है इसीलिये यह वर्ष हिंसा व त्रासदी का वर्ष कहलाया। वास्तव में देश का जनसाधारण विभाजन के विरुद्ध था क्योंकि विभाजन के साथ उन्हें अपने ही देश में अजनबी तो होना ही था साथ ही पुर्नवास की समस्या से भी जूझना था। अपने घर खेत खलिहानों से जुड़ाव को तोड़ना भी कठिन कार्य था। तत्कालीन लेखकों और कवियों ने उसे खूब उकेरा है। कुर्रतुलएन हैदर की कहानियां, गुलजार की कविताएं और कुलदीप नैय्यर की लेखनी से इसे खूब महसूस किया जा सकता है। आज भी 14 व 15 अगस्त की मध्यरात्रि कुछ लोग 'बीते एक समय' की याद में वागाह बार्डर पर मोमबत्तियां जलाने जाते हैं।

3. भारत व पाकिस्तान के मध्य तनाव के अनेक बिन्दु है जैसे जम्मू कश्मीर, आतंकवाद आदि जिनके कारण सरकारी सतह पर शांति वार्ताएं सफल नहीं हो पाती हैं। दूसरे दोनों ओर के भ्रष्ट व स्वार्थी नेता व धार्मिक अतिवादी इस मार्ग के बाधक है। धार्मिक विभिन्नताएं भी यहां अटल है। तीसरे दोनों ओर की जनसाधारण में शिक्षा की कमी व जागृति न होने के कारण जनता सरकारी कार्यकलापों को प्रभावित नहीं कर पाती है। इसलिये एक दूसरे को स्वतंत्र राष्ट्र मानकर सम्मान करना बहेतर विकल्प हो सकता है।

4. धार्मिक आधार पर बंटवारा होने के बावजूद भी भारत एक हिंदू राष्ट्र नही है यहाँ धर्मनिरपेक्षता को अपनाया गया क्योंकि भारत में सभी धर्मो के अनुयायी बसते है। पाकिस्तान का निर्माण हो जाने के बावजूद भी भारत में बड़ी संख्या में मुस्लिम अल्पसंख्यक मौजूद रहे जो पाकिस्तान निर्माण के पक्ष में नही थे।

Downloaded from www.studiestoday.com